जर्मीन ग्रीयर की बच्चा के जन्म से संकलित है । यह इंगलैंड की एक प्रसिद्ध लेखिका है । इन्होंने हमारा ध्यान समाज में बच्चा के जन्म के तरफ आकर्षित किया है । वे बताती कि एक बच्चा का जन्म किसी भी समाज में हो सकता है । जन्म के परिवार में प्रकाशमय होने लगता है अर्थात जन्म लेने के बाद वह बच्चा उस परिवार का उसी दिन से सदस्य बन जाता है तथा समाज में उसकी चर्चा होने लगती है । चाहे वह लड़का हो या लड़की दोनों को समाज में एक समान देखा जाता है। एक लड़की जो अपने माता-पिता के जीवन भर देखना चाहती है । बच्चा जब जन्म लेता प्रत्येक वर्ष उसी दिवस पर उसकी स्मृति में उत्सव मनाई जाती है । जिसमें समाज के बहुत से लोग एकत्रित होकर एक साथ भोजन करते हैं तथा नाचते गाते हैं । इस अवसर पर उसके लिए नया पोशाक पहना कर उसकी दीर्घायु की कामना ईश्वर से करते आगे चलकर यही बच्चा माता - पिता बनते हैं और इस तरह से समाज का विकास होता रहता है ।